अर्जेंटीना से हार के बाद बोले हैरी केन-यह मेरा आखिरी विश्व कप है या नहीं, कहना जल्दबाजी

अटलांटा

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में 2-1 की हार के बाद कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि यह उनका आखिरी विश्व कप था या नहीं। उन्होंने माना कि एक बार फिर टीम उसी तरह हार गई, जैसी पिछले बड़े टूर्नामेंटों में हारती रही है।

इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गार्डन के गोल से बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद टीम रक्षात्मक हो गई। अर्जेंटीना ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए 85वें मिनट में एंजो फर्नांडेज़ के जरिए बराबरी की और फिर इंजरी टाइम में लाउटारो मार्टिनेज़ ने लियोनेल मेसी के क्रास पर विजयी गोल दाग दिया।

मैच के बाद केन ने कहा, मुझे लगता है कि यह वही कहानी है, जो पिछले बड़े टूर्नामेंटों में भी देखने को मिली। करीब 60 मिनट तक हमने मैच की गति पर शानदार नियंत्रण रखा। हमने गोल किया और बढ़त हासिल कर ली।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन फिर किसी न किसी वजह से हम गेंद पर नियंत्रण बनाए नहीं रख सके। हम गेंद पर दबाव भी नहीं बना पाए, जिससे अर्जेंटीना को लगातार आक्रमण करने का मौका मिला और उसने हमारे पेनाल्टी क्षेत्र में दबाव बढ़ा दिया।

केन ने माना कि बढ़त मिलने के बाद टीम का रवैया बदल गया

उन्होंने कहा, एक गोल की बढ़त बचाने की मानसिकता सामान्य होती है, लेकिन तब भी मुकाबले में करीब 20 मिनट बाकी थे। इतने समय में विपक्षी टीम गोल कर सकती है। हमें मैच का वीडियो देखकर समझना होगा कि ऐसी परिस्थितियों में हम क्या बेहतर कर सकते थे। पिछले चार बड़े टूर्नामेंटों में यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। अगला विश्व कप होने तक केन 36 वर्ष के हो जाएंगे। हालांकि उन्होंने अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, अभी इस बारे में बात करना बहुत जल्दबाजी होगी। मैं हर साल के हिसाब से आगे बढ़ता हूं। राष्ट्रीय टीम मेरे लिए गर्व की बात है और इससे बढ़कर मुझे कुछ भी पसंद नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज 2026 में अमन सहरावत ने जीता स्वर्ण पदक

बुडापेस्ट। भारत के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और अंडर-23 एशियाई चैंपियन अमन सहरावत ने बुधवार

को बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस और कोजमा इस्तवान मेमोरियल सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट (बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज) के फाइनल में अमन ने जार्जिया के रोबर्टी डिंगाशविली को पूरी तरह एकतरफा मुकाबले में 13-3 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर खिताब जीता। 22 वर्षीय अमन सहरावत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह दुनिया के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ पहलवानों में शामिल हैं। इससे पहले वह पेरिस ओलंपिक में भारत के सबसे युवा व्यक्तिगत पदक विजेता बने थे। इसके अलावा वह अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पहलवान भी हैं। दीपक ने दिलाया कांस्य पदक भारत की झोली में एक और पदक 61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में आया, जहां दीपक ने कांस्य पदक अपने नाम किया। तीसरे स्थान के मुकाबले में दीपक ने अजरबैजान के नूरदीन नोवरुजोव को बेहद रोमांचक मुकाबले में 9-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। दो और कांस्य पदकों की उम्मीद भारत को 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में भी दो और पदकों की उम्मीद है। कुमार मोहित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के नाचिन कुलार से भिड़ेंगे। वहीं विशाल कालीरामन का सामना कजाकिस्तान के ओस्सुमझान दस्तानबेक से तीसरे स्थान के मुकाबले में होगा। महिला पहलवान भी आज से दिखाएंगी दम गुरुवार से प्रतियोगिता में पुरुषों के 79, 92, 97 और 125 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे।

एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए एक और तेज गेंदबाज शामिल करे इंग्लैंड : ब्राड

बर्मिंघम। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड ने कहा है कि अगामी एकदिवसीय विश्वकप को

देखते हुए टीम में एक और तेज गेंदबाज को टीम में शामिल किया जाये। ब्राड के अनुसार इसका लाभ ये होगा कि एक तेज गेंदबाज बैकअप के तौर पर टीम के पास तैयार रहेगा। ब्राड के अनुसार भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में मिली हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। उन्होंने आगाह किया है कि यदि इन कमियों को अभी ठीक नहीं किया गया तो विश्वकप में टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ब्राड का मानना है कि मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण के पास अभी दबाव बनाकर लगातार विकेट लेने के लिए पर्याप्त गेंदबाज नहीं हैं। जब भी अच्छी बल्लेबाजी वाली टीम सामने आती है। गेंदबाजी दबाव में आ जाती है। ब्राड के अनुसार भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले में मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर नजर आयी। उनके पास भारतीय बल्लेबाजों को रोकने या विकेट लेने के लिए असरदार गेंदबाज नहीं थे। इससे सफेद गेंद क्रिकेट में टीम की कमजोर सामने आ गयी। ब्राड के अनुसार एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करने से टीम को न केवल अधिक विकल्प मिलेंगे बल्कि अलग-अलग हालातों और पिचों पर बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता भी बढ़ेगी। यह गेंदबाजों के वर्कलोड को भी साझा करेगा और उन्हें पूरे टूर्नामेंट में ताजा रखने में मदद करेगा।

स्टोक्स अब कलब क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे

लंदन। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के पूर्व आलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है

कि वह क्लब क्रिकेट खेलते रहेंगे। ऐसे में अब स्टोक्स का अपने बचपन के क्लब डरहम के लिए खेलना तय है। स्टोक्स के अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद वह आराम का अनुभव कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि व सफेद-गेंद प्रारूप में फ्रैंचाइजी की ओर से खेलने पर भी विचार करेंगे। उन्होंने डरहम के हेड कोच रयान कैंपबेल को एक संदेश भी भेजा जिससे साफ है कि वह अभी भी खेल को लेकर उत्साहित हैं। स्टोक्स ने कहा, इस सप्ताह कुछ पल ऐसे भी आए जो सच में बहुत कठिन थे और इन सब चीजों ने यह साफ कर दिया कि मैंने सही फैसला लिया है। वहीं डरहम के हेड कोच कैंपबेल को पूरी उम्मीद है कि स्टोक्स इस गर्मी में वन-डे कप में खेलते दिखेंगे। यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसमें डरहम का मुकाबला पहले राउंड में डर्बीशायर से होगा। स्टोक्स का द हंड्रेड टूर्नामेंट में खेलने के लिए कोई अनुबंध नहीं है, क्योंकि उन्होंने इस सत्र की नीलामी में शामिल नहीं होने का फैसला किया था। द हंड्रेड टूर्नामेंट भी उसी दिन शुरू हो रहा है, इसलिए जो खिलाड़ी उस टूर्नामेंट के लिए चुने गए हैं, वे अपनी काउंटी टीमों के लिए वन-डे कप में नहीं खेल पाएंगे, जब तक कि उनकी फ्रेंचाइजी उन्हें खेलने की अनुमति न दे दे।

यूपी टी20 लीग 2026 की शुरुआत 14 अगस्त से, लखनऊ में आगाज, कानपुर में फाइनल

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की सबसे लोकप्रिय घरेलू टी20 प्रतियोगिता यूपी टी20 लीग 2026 का चौथा सीजन 14 अगस्त से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबले में काशी रुद्रास की टीम का सामना मौजूदा चैंपियन मेरठ मावेरिक्स से भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में होगा। इस बार टूर्नामेंट 14 अगस्त से 6 सितंबर तक खेला जाएगा। कुल 34 मुकाबले होंगे, जिनमें 13 डबल हेडर और 8 सिंगल हेडर मैच शामिल हैं। पहली बार टूर्नामेंट का आयोजन दो शहरों लखनऊ और कानपुर में किया जाएगा।

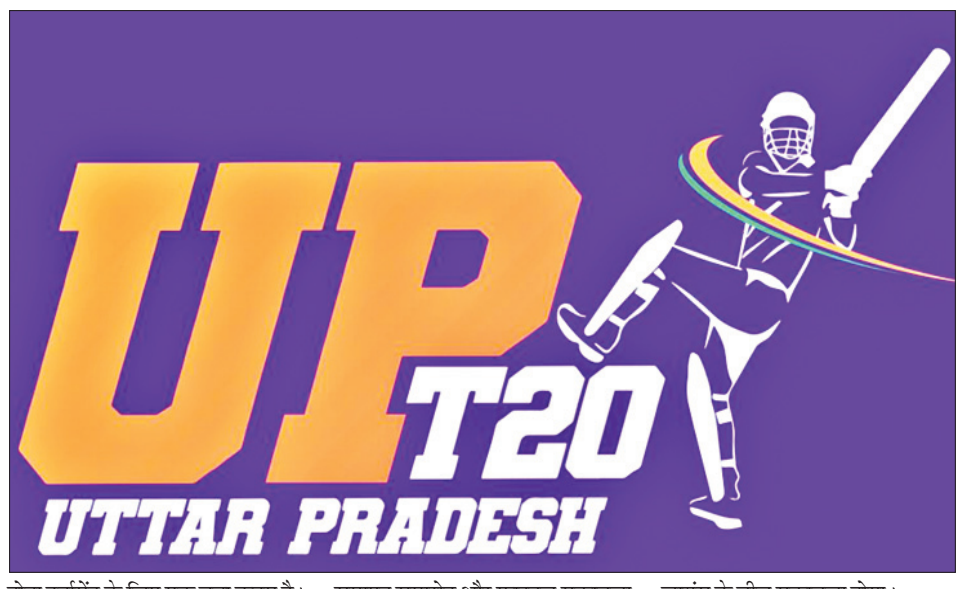

टूर्नामेंट के पहले चरण में लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 13 मैच दिवसों में 22 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का दूसरा चरण कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होगा, जहां शेष 12 मुकाबले, प्लेआफ और फाइनल आयोजित किए जाएंगे।

यूपी टी20 लीग की संचालन परिषद के अध्यक्ष डा. संजय कपूर ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि लीग हर सीजन के साथ नई ऊंचाइयों को छू रही है और इस बार दो शहरों में आयोजन होना टूर्नामेंट के लिए एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा, यूपी टी20 लीग लगातार आगे बढ़ रही है। इस बार पहली बार प्रतियोगिता दो अलग-अलग मैदानों पर खेली जाएगी। शुरुआत लखनऊ से होगी, जबकि दूसरा चरण, प्लेआफ और फाइनल कानपुर में आयोजित होंगे।

उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ वर्षों में लीग का स्तर काफी बेहतर हुआ है। हमें विश्वास है कि इस बार भी युवा खिलाड़ियों को अनुभवी क्रिकेटरों के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर मिलेगा। सभी टीमों को शुभकामनाएं और उम्मीद है कि दर्शकों को एक और रोमांचक सीजन देखने को मिलेगा।

कानपुर में होंगे प्लेआफ मुकाबले

टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि समापन समारोह और फाइनल मुकाबला कानपुर में आयोजित किया जाएगा।

क्वालीफायर-1 और एलिमिनेटर मुकाबले 3 सितंबर, क्वालीफायर-2 4 सितंबर और फाइनल 6 सितंबर को ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा।

पहले सप्ताह में कई बड़े मुकाबले

15 अगस्त को नोएडा किंग्स का मुकाबला कानपुर सुपरस्टार्स से होगा, जबकि लखनऊ फाल्कंस की टीम गौर गोरखपुर लायंस से भिड़ेगी।

16 अगस्त को काशी रुद्रास और कानपुर सुपरस्टार्स आमने-सामने होंगे, जबकि शाम के मुकाबले में मेरठ मावेरिक्स का सामना गौर गोरखपुर लायंस से होगा।

17 अगस्त को नोएडा किंग्स और लखनऊ फाल्कंस भिड़ेंगे। 18 अगस्त को काशी रुद्रास और गौर गोरखपुर लायंस के बीच मुकाबला होगा।

19 अगस्त को लखनऊ फाल्कंस और मेरठ मावेरिक्स आमने-सामने होंगे। 20 अगस्त को डबल हेडर में पहले गौर गोरखपुर लायंस बनाम नोएडा किंग्स, जबकि दूसरे मैच में कानपुर सुपरस्टार्स का मुकाबला काशी रुद्रास से होगा।

21 अगस्त को मेरठ मावेरिक्स और नोएडा किंग्स भिड़ेंगे, जबकि दूसरे मुकाबले में लखनऊ फाल्कंस का सामना कानपुर सुपरस्टार्स से होगा।

टूर्नामेंट का कानपुर चरण 28 अगस्त से शुरू होगा, जहां पहले मुकाबले में काशी रुद्रास और नोएडा किंग्स आमने-सामने होंगे।

दो प्रमुख क्रिकेट मैदानों पर होने वाला यह सीजन उत्तर प्रदेश के घरेलू क्रिकेट को नई पहचान देने के साथ-साथ दर्शकों के लिए भी पहले से अधिक रोमांचक अनुभव लेकर आने वाला है।

विश्व कप से बाहर होने के बाद भी इंग्लैंड के कोच बने रहेंगे थामस ट्यूखल, रणनीति का किया बचाव

अटलांटा

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से 2-1 की हार के बावजूद इंग्लैंड के मुख्य कोच थामस ट्यूखल ने साफ कर दिया है कि वह टीम के साथ बने रहेंगे और यूरो 2028 तक इंग्लैंड के कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाफ अपनाई गई अपनी रणनीति का भी बचाव किया।

विश्व कप शुरू होने से पहले ही ट्यूखल ने फुटबाल एसोसिएशन (एफए) के साथ अपने अनुबंध का विस्तार कर लिया था, जो उन्हें यूरो 2028 तक इंग्लैंड का मुख्य कोच बनाए रखेगा।

मैच के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह आगे भी टीम के साथ बने रहेंगे, तो ट्यूखल ने कहा, सबसे पहले तो विश्व कप अभी खत्म नहीं हुआ है। हमारे सामने तीसरे स्थान का एक मुकाबला बाकी है। भले ही हम उस मैच का बेसब्री से इंतजार नहीं कर रहे हों, लेकिन वह मैच खेलना है। उसके बाद हम आगे बढ़ेंगे। मेरा अनुबंध घरेलू यूरो 2028 तक है और मैं अभी भी उस टूर्नामेंट का इंतजार कर रहा हूं, भले ही इस समय आगे देखना थोड़ा मुश्किल हो।

ईएसपीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व कप सेमीफाइनल में हार के बावजूद इंग्लैंड फुटबाल एसोसिएशन का भरोसा ट्यूखल पर कायम है और वह यूरो 2028 तक टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे।

रणनीति पर उठे सवाल, ट्यूखल ने दिया जवाब

इंग्लैंड ने एंथनी गार्डन के गोल से 55वें मिनट में बढ़त बनाई थी, लेकिन इसके बाद अर्जेंटीना ने अंतिम मिनटों में वापसी कर ली। ट्यूखल के कुछ बदलावों के बाद इंग्लैंड की टीम रक्षात्मक होती चली गई और अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बनाकर दो गोल दाग दिए।

ट्यूखल ने 82वें मिनट में रीस जेम्स की जगह डैन बर्न और डेक्लन राइस की जगह निको ओराइली को मैदान पर उतारा। गार्डन के गोल से लेकर अर्जेंटीना के विजयी गोल तक इंग्लैंड के पास सिर्फ 12 प्रतिशत गेंद पर कब्जा रहा। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके फैसले गलत थे, तो उन्होंने कहा, नहीं, मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। फुटबाल का यही स्वभाव है। जैसे ही आप हारते हैं, आपकी आलोचना शुरू हो जाती है। कोई नहीं जानता कि अगर हम अलग फैसले लेते तो क्या होता। इसलिए इस पर बहस करने का कोई मतलब नहीं है। उन फैसलों की जिम्मेदारी मेरी है और आलोचना भी मैं ही स्वीकार करूंगा।

साई सीआरसी भोपाल में भारतीय क्रिकेटर क्रांति गौड़ का सम्मान

एजेंसी, भोपाल। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) भोपाल में भारतीय महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान ने उनसे सौहार्दपूर्ण चर्चा करते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की और भविष्य में भारतीय टीम के साथ निरंतर सफलता की शुभकामनाएं दीं।

बैठक के दौरान क्षेत्रीय निदेशक ने क्रांति गौड़ को फिट इंडिया आंदोलन की जानकारी देते हुए इसके उद्देश्यों से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह अभियान नागरिकों को नियमित शारीरिक गतिविधियों और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर साई सीआरसी भोपाल की खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, वैज्ञानिक सहयोग और समग्र विकास के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई। समारोह में केंद्र के अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों की उपस्थिति रही।

पिता के त्याग ने मेरे सपनों को दी उड़ान: सोनम उत्तम मस्कर

नई दिल्ली

महाराष्ट्र के कोल्हापुर की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज सोनम उत्तम मस्कर अब 2026 एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने के पीछे उनके पिता के बड़े त्याग और परिवार के संघर्ष की कहानी छिपी है।

23 वर्षीय सोनम सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजी टीम का हिस्सा होंगी। शूटिंग प्रतियोगिताएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आयोजित होंगी।

सोनम ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि कोविड-19 महामारी के बाद उनका परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा था। इसी दौरान उन्हें पेशेवर शूटिंग उपकरण की जरूरत थी, लेकिन उसकी कीमत परिवार के लिए बड़ी चुनौती थी। तब उनके पिता उत्तम मारुति मस्कर ने अपनी बेटी का सपना पूरा करने के लिए अपनी एक संपत्ति बेच दी।

सोनम ने कहा, एक समय ऐसा था जब हमारा परिवार आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रहा था, खासकर लाकडाउन के दौरान। जब यह साफ हो गया कि आगे बढ़ने के लिए मुझे अपना शूटिंग उपकरण चाहिए, तब मेरे पिता ने एक संपत्ति बेच दी ताकि हम वह खरीद सकें। यह हमारे परिवार के लिए बहुत बड़ा फैसला था,

लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया।

सोनम ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि शूटिंग को पेशे के रूप में अपनाएंगी। वर्ष 2018 में मुंबई के टोलानी कालेज आफ कामर्स में पढ़ाई के दौरान उन्होंने पहली बार शूटिंग की। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा खेलों में रुचि रही है। मैं शतरंज भी खेलती थी। मैंने कुछ नया करने की सोची और शौक के तौर पर शूटिंग शुरू की। धीरे-धीरे मुझे महसूस हुआ कि मैं इसी में अपना करियर बनाना चाहती हूं। कोविड महामारी के कारण शुरुआती सफर प्रभावित हुआ, लेकिन वर्ष 2021 से उन्होंने कोल्हापुर शूटिंग रेंज में गंभीरता से अभ्यास शुरू किया। सोनम ने अपने करियर की सबसे खास उपलब्धि 2024 आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में नई दिल्ली में जीता गया रजत पदक बताया। उन्होंने कहा, दिल्ली में घरेलू दर्शकों के सामने विश्व कप फाइनल में रजत पदक जीतना मेरे करियर के सबसे यादगार पलों में से एक है। वह अनुभव हमेशा मेरे साथ रहेगा। काहिरा विश्व कप सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिला। सोनम इस समय विदेशी कोच फार्निक थामस और भारतीय कोचों की देखरेख में एशियाई खेलों की तैयारी कर रही हैं।

उन्होंने कहा, एशियाई खेलों की तैयारी अच्छी चल रही है। मैं अपने विदेशी कोच फार्निक थामस और भारतीय कोचों के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं। हमारा पूरा ध्यान प्रतियोगिता के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ तरीके से तैयार करने पर है।

सोनम ने अपने परिवार और सहयोग करने वाले सभी संस्थानों का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी लोगों की बेहद आभारी हूं जिन्होंने मेरी इस यात्रा में मेरा साथ दिया। मेरे परिवार ने हर कदम पर मेरा समर्थन किया। इसके अलावा ओजीक्यू, राष्ट्रीय राइफल संघ, भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, भारतीय रेलवे और मेरी पूरी सपोर्ट स्टाफ टीम का भी धन्यवाद, जिन्होंने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया और बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद की।

इंग्लैंड पर जीत के बाद फ़ाकलैंड द्वीप वाला बैनर लहराने पर अर्जेंटीना पर फीफा कार्रवाई की आशंका

अटलांटा

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराने के बाद अर्जेंटीना के कुछ खिलाड़ियों द्वारा फ़ाकलैंड द्वीप (माल्विनास) के समर्थन वाला बैनर लहराने पर अब टीम पर फीफा की कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है। मैच के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने मैदान पर लास माल्विनास सोन अर्जेंटिनास (फ़ाकलैंड द्वीप अर्जेंटीना का हैं) लिखा बैनर लहराया और मैदान छोड़ने से पहले उसे वहीं छोड़ दिया।

इससे पहले अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि इंग्लैंड के खिलाफ यह मुकाबला दोनों देशों के बीच फ़ाकलैंड द्वीप विवाद से जोड़ा जाए।

फीफा के नियमों का हो सकता है उल्लंघन

फुटबाल के नियम बनाने वाली संस्था इंटरनेशनल फुटबाल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) और फीफा बड़े टूर्नामेंटों में राजनीतिक संदेश, नारे और प्रतीकों के प्रदर्शन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते रहे हैं।

आईएफएबी के नियमों के अनुसार, खिलाड़ियों के उपकरणों या कपड़ों पर किसी भी प्रकार का राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत नारा, संदेश या तस्वीर नहीं होनी चाहिए। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है तो संबंधित प्रतियोगिता के आयोजक, राष्ट्रीय फुटबाल संघ या फीफा उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं।

इसी नियम के तहत अर्जेंटीना पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

पुराना विवाद फिर आया चर्चा में

फ़ाकलैंड द्वीप को लेकर अर्जेंटीना और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। वर्ष 1982 में दोनों देशों के बीच 74 दिनों तक युद्ध हुआ था, जिसमें 655 अर्जेंटीनी सैनिक, 255 ब्रिटिश सैनिक और द्वीप के तीन नागरिकों की मौत हुई थी। अर्जेंटीना लगातार फ़ाकलैंड द्वीप पर अपना दावा करता रहा है, जबकि यह द्वीप ब्रिटेन के नियंत्रण में है। यह ब्रिटेन से करीब 8,000 मील और अर्जेंटीना की मुख्य भूमि से लगभग 300 मील दूर स्थित है।

पहले भी लग चुका है जुर्माना

यह पहला मौका नहीं है जब अर्जेंटीना की टीम ने ऐसा बैनर प्रदर्शित किया हो। वर्ष 2014 में स्लोवेनिया के खिलाफ एक मैत्री मैच से पहले भी खिलाड़ियों ने इसी तरह का बैनर लहराया था।

उस समय फीफा ने अर्जेंटीना फुटबाल संघ पर 20 हजार पाउंड का जुर्माना लगाया था।

फिलहाल इस मामले में फीफा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस घटना की समीक्षा की जा रही है।